त्रैमासिक रिपोर्ट

अप्रैल 2010 से जून 2010

उत्तर प्रदेश के चन्दौली जनपद जिसकी जनसंख्या 2001 की जनगणना के अनुसार 1,639,777 है। जिसमें शिक्षा का स्तर 63.09 प्रतिशत है। इस जनपद में 3 तहसील और 9 विकास खण्ड है। यह विकास खण्ड सरकार द्वारा घोसित नक्सल प्रभावित क्षेत्र है। जिसमें चकिया तहसील के 3 ब्लाक शहाबगंज, चकिया और नौगढ़ संवेदनशील ब्लाक माने जाते हैं। विशेषकर नौगढ़ अधिक संवेदनशील माना जाता है। सुविधाओं से वंचित, बिहार राज्य की सीमा से लगा हुआ जंगल क्षेत्र के मध्य में नौगढ़ विकास खण्ड है। नौगढ़ कैमूर पर्वत श्रृखलाओं के मध्य में बसा हुआ है। जंगल का क्षेत्र होने के कारण गाँव का क्षेत्र फैला हुआ है। नौगढ़ में 27 ग्राम पंचायतें है। इन 27 पंचायतों में 111 राजस्व गाँव है। कई पंचायत 5 किलोमीटर के घेरे से भी अधिक में हैं। नौगढ़ विकास खण्ड मुख्यालय से गाँव के लिए रास्ते या यातायात के लिए साधन नही के बराबर हैं। सरकारी सुविधाए नाम मात्र की है। सरकार का मापदण्ड है कि हर बच्चे के पहुँच तक स्कूल होगा लेकिन यहाँ यह सफेद हाथी बनकर रह गया है। नौगढ़ विकास खण्ड में कुल 83 प्राथमिक विद्यालय है। जो विद्यालय हैं वह भी सुचारु रुप से नहीं चलते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं में नौगढ़ मुख्यालय पर एक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र है तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बना है लेकिन वहाँ से कोई स्वास्थ्य सुविधा नहीं मिलती है इस भवन को बने हुए लगभग डेढ़ साल हो गया हैं। पूरे विकास खण्ड में 14 ए0एन0एम0 सेन्टर हैं लेकिन सभी ए0एन0एम0 सेन्टर के पास भवन नहीं है। नौगढ़ सरकारी अस्पताल वर्तमान समय में कुल 14 ए0एन0एम0 तथा 2 एच0बी0 है। 3 चिकित्साधिकारी की पोस्ट है लेकिन मात्र दो चिकित्साधिकारी आते है। सरकारी विभाग में अधिकांश जगह खाली होने की वजह से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है।

ग्राम्या संस्थान विगत 11 वर्षो से नौगढ़ में शिक्षा केन्द्र चला रही है जिसमें से नौगढ़ विकास खण्ड के 4 गाँव में प्राथमिक शिक्षा जिसमें से 2 गाँव में जूनियर स्तर तथा चकिया के 4 गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र आशा एवं गाँव के सहयोग से संचालित कर रही है। इस तीन महीनों में बच्चों की उपस्थिति निम्न रही है–

गाँव का नाम	बालक	बलिका	योग
लालतापुर			
▪ जुनियर	33	23	56
▪ प्राइमरी	92	89	181
झुमरियां	36	41	77
अमदहा	25	14	39
बसौली	17	16	33
अल्लीपुर	15	18	33
सीताताली	18	13	31
गढवा	10	17	27
उसरा	17	11	28
योग	263	242	505

शिक्षा कोर टीम-

इस त्रैमास में शिक्षा कोर टीम की बैठक में बच्चों के मूल्यांकन एवं वार्षिक परीक्षा को लेकर बातचीत की गई। जिसमें तय किया गया कि बच्चों का वार्षिक परीक्षा 8 से 18 मई तक किया जाएगा। परीक्षा हेतु पेपर अंकुर अ व ब तथा कक्षा 2 के बच्चों का पेपर बाजार से मगाया जाएगा। साथ ही यह भी तय किया गया कि परीक्षा से एक दिन पहले सभी शिक्षकों के साथ बैठक होगी जिसमें सभी शिक्षकों को अपनी जिम्मेदारी के अनुसार कापी पेपर दिया जाएगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि परीक्षा एवं बच्चों का मूल्यांकन सही तरीके से हो इसके लिए परीक्षा के दौरान शिक्षकों का स्थानान्तरण किया जाएगा तथा परीक्षा बाद बैठक करके परीक्षा फल तैयार किया जाएगा।

वार्षिक परीक्षा-

बच्चों का वार्षिक परीक्षा 8 मई से 18 मई तक किया गया। परीक्षा हेतु अंकुर अ, ब तथा कक्षा 2 के बच्चों का पेपर शिक्षा कोर टीम के द्वारा बनाया गया एवं शेष कक्षाओं का पेपर बाहर से मंगाया गया। बच्चों का सही मूल्यांकन हो तथा शिक्षकों को एक दूसरे सेन्टर का अनुभव भी हो इसके लिए परीक्षा के दौरान शिक्षकों का स्थानान्तरण भी किया गया। परीक्षा से एक दिन पूर्व यानि 7 मई को सभी शिक्षकों के साथ बैठक किया गया बैठक में सभी शिक्षकों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी के अनुसार कापी व पेपर दिया गया तथा सभी सेन्टरों के लिए अलग-अलग एक-एक शिक्षक को परीक्षा इन्चार्ज की जिम्मेदारी दी गई जो अपने सेन्टर का पूरा परीक्षा सम्पन्न कराए। पूरा परीक्षा सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। परीक्षा बाद 22 मई व 23 मई को सभी शिक्षकों के साथ बैठक हुई। इस बैठक से पूर्व सभी लोगों ने परीक्षा की कापिया जाँच लिए थे बैठक में बच्चों का अंक पत्र तैयार किया गया एवं बातचीत करके तय किया गया कि 25 मई को परीक्षा परिणाम घोषित करके अंकपत्र का वितरण किया जाएगा। तय कार्यक्रम के अनुसार 25 मई को बच्चों का अंकपत्र वितरण किया गया जिसमें कुछ अभिभावक भी शामिल रहे। परीक्षा के दौरान शिक्षकों का स्थानान्तरण इस प्रकार रहा-

लालतापुर-	जयप्रकाश, शिवमंदिर, कौलेश्वर, अमरेश, गनेश, हरिचरन
झुमरिया-	श्रीराम, रामबली, बचाऊ
अमदहां-	त्रिभुवन, राजेश, सुनिता
बसौली-	मदनमोहन

चकिया के टीचर यथावत अपने-अपने सेन्टर पर बने रहेगें।

कक्षा 5 व 8 पास हुए बच्चों की संख्या-

जूनियर-	बालक	20	योग- 39
	बालिका	19	
प्राइमरी-	बालक	16	योग - 23
	बालिका	7	

अभिभावक के साथ बैठक व अभिभावक संपर्क-

बच्चों की उपस्थिति, पढ़ाई, लिखाई, साफ-सफाई एवं अन्य गतिविधियों को लेकर अभिभावकों से लिखित एवं मौखिक संपर्क किया गया जिससे बच्चों की स्थिति खासकर उपस्थिति में काफी सुधार हुआ साथ अच्चों की अन्य गतिविधियों के बारे में जानकारी हुई। संपर्क के दौरान अभिभावकों को अपना भी सुझाव दिया गया। इसके अलावा अभिभावक कमेटी के साथ बैठक भी किया गया। बैठक में बच्चों की उपस्थिति, बच्चों के गृहकार्य, वार्षिक परीक्षा, पढ़ाई-लिखाई, साफ-सफाई आदि विषयों पर चर्चा हुई। बच्चों के उपस्थिति पर चर्चा हुई जिसमें कुछ ऐसे बच्चें है जो नियमित विद्यालय नहीं आते है तथा उनके घर जाकर संपर्क करने पर कहते है कि विद्यालय भेजेगें लेकिन नहीं भेजते है। इस विषय पर वहां उपस्थित सदस्यों ने स्वयं उन अभिभावकों से बातचीत करने की जिम्मेदारी ली जिनके बच्चें नियमित विद्याालय नहीं आते है कहा कि हम कई लोग साथ में मिलकर जाएगें और शिक्षा के महत्व के बारे में चर्चा करेगें।

बच्चों के घर की पढ़ाई एवं उनके गृह कार्य पर शिक्षकों ने चर्चा किया कि आप लोग अपने बच्चो के घर की पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते है जो उनको गृहकार्य दिया जाता है उसको समय से नहीं

करते जिसपर कुछ लोगों ने कहा कि समय नहीं मिल पाता है तथा लोगों ने क हां कि इस समस्या पर ध्यान दिया जाएगा। बच्चों के साफ–सफाई के बारे में चर्चा करके अभिभावकों को बताया गया कि कुछ ऐसे बच्चें है जो बिना दातुन व स्नान किए विद्यालय चले आते है उन बच्चों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा कक्षा 5 में कुछ ऐसे बच्चे थे जिनका नाम सरकारी विद्यालय में लिखा गया था परीक्षा के समय प्राथमिक विद्यालय के अध्यापक उन बच्चों का नाम काट दिए। इस विषय पर बैठक में चर्चा किया गया जिसपर अभिभावकों ने कहा कि हम लोग प्राथमिक विद्यालय पर जाएगें और शिक्षकों से इस विषय पर बात करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार अभिभावक प्राथमिक विद्यालय पर जाकर इस विषय पर बातचीत किए तब जाकर उन बच्चों का नाम पुन अध्यापक ने लिखा तथा बच्चे परीक्षा दिए।
चकिया विकास खंड के उसरा गाँव में जगह की समस्या के कारण वँहा शिक्षा केन्द्र अच्छी तरह से चल नहीं पा रहा है। इसके सम्बन्द्ध में समुदाय के साथ कई बार बैठके की गई लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम नही निकला। उस गाँव में मुसहर बस्ती के पास जगह ही नहीं है। इसलिए वहाँ केन्द्र फिलहाल में बन्द करके अन्य गाँव में चलाने का निर्णय लिया गया।

कार्य क्षेत्र के गाँवों का सर्वे–

नौगढ़ विकास खण्ड के 10 गाँवों का सर्वे किया गया जिसमें शिक्षा की स्थिति, स्वास्थ्य की स्थिति, लोगों के व्यवसाय, जमीन, पेंशन आदि का सर्वे करके गाँव की स्थिति की जानकारी ली गई।

स्वास्थ्य–

प्रतिमाह होने वाली बैठकों में निम्न बातों पर चर्चा किया गया–

- जननी सुरक्षा योजना।
- मातृत्व लाभ योजना।
- पंचायत चुनाव में महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की भागीदारी।
- सुचना के अधिकार के तहत आवेदन देना।
- समूह गठन पर चर्चा।

संस्था द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रम में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता के अन्तर्गत सेन्टरों में बच्चों के साफ–सफाई तथा होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के साथ ही साथ अधिकार के बारे मे बताया गया कि सरकार के तरफ से जननी सुरक्षा योजना तथा मातृत्व लाभ योजना चलाई जा रही है। संस्थागत प्रसव करवाने पर 1400 रु0 के साथ ही साथ प्रत्येक गर्भवती महिला को गर्भवस्था के दौरान 500 रु0 मिलने का प्रावधान है। आप सभी के प्रयास का फल है कि वर्तमान समय में नौगढ़ में जननी सुरक्षा योजना का पैसा प्रसव के तुरन्त बाद या एक सप्ताह के अन्दर मिलने लगा है लेकिन मात्त्व लाभ का पैसा अभी तक किसी को नहीं मिला है जिसके लिए आप लोगो को आगे आना होगा इसके लिए भी आप लोगों को लड़ना होगा तभी मात्त्व लाभ का पैसा मिलेगा।
नौगढ़ में पिछले 4 साल से महिलाओं का संगठन महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच का गठन हुआ है गठन होने के बाद महिलाएं, ए0एन0एम0, मीड डे मिल, कोटेदार पर नजर, आंगनबाड़ी पर नजर, आशा के कार्य, अन्टाइड फन्ड का पैसा आ रहा है तो कहां खर्च हो रहा इसके बारे में सर्वे करके जानकारी करने का प्रयास की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली उस पर नजर भी रख रही है, प्रत्येक राजस्व गाँव पर 10 हजार आ रहा है वह पैसा कहा जा रहा है इसके बारे में आप लोगों ने पंचायत से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से भी जानकारी करने का प्रयास किया लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। इन सबके लिए इस संगठन को आगे आना होगा तभी इसमें कुछ सुधार हो सकता है और सही ढंग से लाभर्थियों को इसका लाभ मिल पाएगा अन्यथा जैसे जननी सुरक्षा योजना का पैसा पहले नहीं मिलता वैसे ही इन योजनाओं का लाभ भी लोगों तक नहीं पहुच पाएगा।
महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच को और मजबूत करने के लिए संख्या बढ़ाने पर बात किया गया इस समय इस संगठन में कुल 925 महिलाएं सदस्य है जो अपने हक व अधिकार के लिए समय–समय पर आवाज उठाती है।

नौगढ़ के 27 पंचायतों में से 10 पंचायत में महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाए है। नौगढ़ सी0एच0सी0 पर तीन घटनाए हुई–

- एक महिला का प्रसव के दौरान पी0एच0सी0 पर मौत
- एक महिला को प्रसव के दौरान दवाओं के लिए परेशानी
- एक महिला को प्रसव के बाद अस्पताल से बाहर कर देना

युवाओं के साथ बैठक–

ग्राम्या संस्थान पिछले दो साल से नौगढ़ में (परिवर्तन में युवाओं) युवाओं के प्रजनन स्वास्थ्य और अधिकार को लेकर बैठक करती है जिसके अर्न्तगत निम्न बातों पर चर्चा किया गया है–

- विश्व स्वास्थ्य दिवस के कार्यक्रम पर चर्चा।
- सूचना के अधिकार में पी0डी0एस0, सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान से सूचना लेने हेतु आवेदन डालने पर चर्चा।
- पंचायती चुनाव में युवाओं की भागीदारी कैसे हो तथा छुटे हुए लोगों के नाम को वोटर लिस्ट में कैसे डलवाया जाए पर चर्चा।
- पंचायत चुनाव के अभियान पर चर्चा।
- बादा के कार्यक्रम पर चर्चा।
- झासी जाकर युवाओं द्वारा पपेट सिखाने पर चर्चा।
- बाल विवाह।
- मीड डे मिल में खाना बनाने वाली महिलाओं के चयन के आधार।
- पी0ए0जी0 सदस्य व नेता के चयन पर चर्चा।
- नैनीताल भ्रमण पर चर्चा।
- राजस्थान एक्सपोजर पर चर्चा।

प्रतिमाह होने वाली बैठकों में युवाओं को उनके प्रजनन स्वास्थ्य व अधि कार के बारे में जानकारी दी गई। युवाओं द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अर्न्तगत सस्ते गल्ले के दुकानों में हो रहे घोटालों को देखते हुए सूचना के अधिकार के तहत आवेदन डाले है। युवाओं को भी ऐसा महसूस होने लगा कि अगर सरकार गरीबो के लिए यह योजना चलाई है जो सबको मिलना चाहिए। कोटेदार लोग कभी राशन देते है तो कभी नही देते है उनकी मनमानी को रोकने के लिए हम लोगों को सूचना के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। इन्ही सब कारणों को देखते हुए युवाओं ने सूचना के अधिकार का प्रयोग करते हुए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत 30 जून को युवाओं द्वारा खाद्य आपूर्ति विभाग चन्दौली के यहाँ आवेदन डाला गया। ये युवा है–

क्र0स0	युवा का नाम	गाँव का नाम व पता
1	उमेश कुमार	ग्राम–झुमरियां, पोस्ट–अमदहा, वि0ख0–नौगढ़, जनपद–चन्दौली
2	सबिया खातून	ग्राम व पोस्ट–अमदहा, वि0ख0–नौगढ़, जनपद–चन्दौली
3	अजय कुमार	ग्राम–बसौली, पोस्ट–मझगाई, वि0ख0–नौगढ़, जनपद–चन्दौली
4	पूनम कुमारी	ग्राम–ठटवा, पोस्ट–मझगाई, वि0ख0–नौगढ़, जनपद–चन्दौली
5	अलीमुन	ग्राम व पोस्ट मझगाई, वि0ख0–नौगढ़, जनपद–चन्दौली
6	मीरा	ग्राम व पोस्ट–अमदहा, वि0ख0–नौगढ़, जनपद–चन्दौली

शैक्षिक भ्रमण–

14 अप्रैल से 16 अप्रैल 2010 को राजस्थान में युवाओं का शैक्षिक भ्रमण कराया गया। जिसमें ग्राम्या संस्थान से दो युवा राजेश व साबिया खातून गये थे इन युवाओं ने देखा कि वहां कि संस्था जिसका नाम दूसरा दशक है किस प्रकार से युवाओं के विकास हेतु उनको रोजगार से जोड़कर उनके साथ काम कर रहे है।

वही दूसरी ओर 19 जून से 25 जून तक पंचायत में युवाओं की भागीदारी किस प्रकार से हो इसके लिए ग्राम्या संस्थान से एक युवा को नैनीताल जाना था जिसमें संध्या ने भाग लिया। नैनीताल में

किस प्रकार से लोग पंचायत पर कार्य करते है उसके बारे में संध्या ने पी0ए0जी0 की बैठक में सबको संक्षिप्त में बताया कि मै उतराखण्ड के भूमियाधार, पीपलचौसहा दो गाँव में गई थी। वहां पर मैने देखा कि पंचायत में महिलाओं की पूरी भागीदारी रहती है जैसा कि अपने उत्तर प्रदेश में महिला प्रधान के जगह पुरुष प्रधानी का काम करते हैं वहा ऐसा नहीं था। एक बात और मुझे अच्छी लगी कि वहा पर लड़कियों के शिक्षा पर ज्यादा जोर दिया जाता है साथ ही अगर शादी के समय दहेज की मांग होती है तो लड़किया सीधे मना कर देती है लड़कियों के इस फैसले में परिवार के लोग साथ देते है। इस साल अपने उत्तर प्रदेश में भी सितम्बर माह में पंचायत का चुनाव होने वाला है जिसमें हम युवाओं को कुछ करना चाहिए जिससे सही व पात्र व्यक्ति का चयन किया जा सके।

अन्तर्राष्ट्रीय विश्व स्वास्थ्य दिवस-

युवा नीति पैरोकारी अभियान के तहत अन्र्तराष्ट्रीय विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर 8 अप्रैल 2010 विकास खण्ड के सभागार में लगभग 250 युवाओं ने भाग लिया। इसके अलावा स्टेक होल्डरों में क्षेत्र के प्रधान, क्षेंत्र पंचायत सदस्य, पत्रकार, प्राइवेट डाक्टर, शिक्षक, नौगढ़ रेन्ज के रेन्जर, अन्य साथी संस्थाओं डग से सुजीत घोस, ज्ञान प्रताप, एवार्ड से तारकेश्वर मिश्रा, ग्रामोदय से अशोक जायसवाल आदि के साथ कुल लगभग 300 लोगों ने इस कार्यक्रम में भागीदारी किए।

कार्यक्रम का प्रारम्भ डुमरिया के गीतांजलि समूह की लड़कियों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया–

आज का दिन है पावन परम।
स्वागतम, स्वागतम, स्वागतम।।
आपके आने से कुटिया खिल गई।
आप आए न आए चमन खिल गई।।
आपके आने से मिट गए गम।
स्वागतम,स्वागतम,स्वागतम।।
हम युवाओं ने अपना संगठन बनाए है।
मिलकर साथ–साथ कदम बढ़ाएगें।।
ऐसे हो हमारे कदम्।
स्वागतम, स्वागतम, स्वागतम।।
हम युवाओं ने पहली महफिल सजाई है।
आपके आने से मिट गए गम्।।
स्वागतम,स्वागतम,स्वागतम।
फूलों के माला से स्वागत करेगें।।
खुशियों से हम आपको सजाएगें।
हम युवाओं में इजना है दम।।
स्वागतम, स्वागतम, स्वागतम।

राजेश उज्जवल समूह से अपने विचारों को सबके सामने रखते हुए बताया कि पिछले 3 साल से चन्दौली जिला में परिवर्तन में युवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें युवाओं के प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकार के बारे में जानकारी दी जाती है साथ ही साथ समय–समय पर रचनात्मक कार्य भी सिखाया जाता है जैसे– कठपुतली के द्वारा लोगों को जागरुक कैसे किया जाय, नाटक व पेटिंग सिखाई गई हैं। वर्तमान समय में नौगढ़ में हम लोग 187 युवा इस कार्यक्रम में जुड़े है। उ0प्र0 में 1500 युवा इस कार्यक्रम से जुड़कर अपने हक व अधिकार के लिए लड़ रहे है। अन्त में मै यही कहना चाहता हूँ कि हम युवाओं के लिए कोई कानून नहीं हैं कोई नीति नहीं बना है इस लिए हम युवाओं के लिए भी नीति बने। नीति बनवाने के उद्देश्य से हम युवा आप लोगों से समर्थन मांग रहें हैं कि जिससे अन्य राज्यों कि तरह हमारे उ0प्र0 में भी युवा नीति बने।

युवाओं को अपने हक व अधिकार को लेने के लिए आगे आह्वाहन करते हुए राजेश ने नारा लगाया– युवाओं की यही पुकार, युवा नीति लाए सरकार।

इसके बाद झुमरियां की बालिकाओं द्वारा गीत प्रस्तुत किया गया–

सभवा में करै आज बहिनी पुकार हो।
विचार कर मनवा में बढ़ल अत्याचार हो ।। विचार करा मनवा में

गीत के बाद उज्जवल समूह के लड़को द्वारा एड्स पर नुक्कड़ नाटक दिखाया गया कि किस प्रकार एड्स पर जानकारी मांगने से सरकारी अस्पताल में जानकारी नहीं दी जाती है और बच्चा समझ कर भगा दिया जाता है। इस नाटक में युवाओं ने बताया कि हम लोगों को अपने शारीरिक विकास, व युवाओं के अधिकार के बारे में परिवर्तन में युवा कार्यक्रम के तहत जानकारी दी जाती है जो जानकारी हम लोगों को सरकारी अस्पताल से डाक्टर से मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही है। यहा से 50 किमी0 दूर चकिया अस्पताल पर जसनकारी देने के लिए कोई बैठता है अब आप लोग बताइए कि क्या इतनी दूर हम युवा जा सकते है अगर नहीं जा सकते है तो उसके लिए हम लोगों को मांग करनी चाहिए की वैसा ही सलाहकार समिति का चयन नौगढ़ में किया जा सके जिसका लाभ हम युवाओं को मिल सके। नाटक के अन्त में युवाओं ने गीत गाया–

हम होगें कामयाब, हम होगें कामयाब, एक दिन
हो हो मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
हम होगें कामयाब, एक दिन

गीत के युवाओं ने नारा दिया–
युवाओं ने ठाना है, अपना अधिकार पाना है।

नाटक के बाद अमदहां गाँव से दर्शन कुमार ने अपने गीत के माध्यम से लोगों को बताए कि आज के समय में शिक्षा बहुत जरुरी है जिस प्रकार से लड़के को शिक्षा दी जाती है उसी प्रकार से लड़की को भी शिक्षा देना चाहिए साथ ही शिक्षा में स्वास्थ्य की जानकारी भी जरुरी है जानकारी के अभाव में हम युवा गलत रास्ते पर चले जाते है जिसका परिणाम भयानक होता है।

अजय कुमार बसौली प्रज्ञा समूह से अपने भाषण में लोगों को बताए कि इस समय नौगढ़ हम लगभग 200 युवा परिवर्तन में युवा कार्यक्रम से जुड़कर अपनी समस्याओं को सरकार के लोगों को बता रहे है लेकिन कोई सुनता नहीं सब यही समझते है कि हम लोग बच्चे है ठीक है आज बच्चे है लेकिन कभी बड़े भी होगें। सरकारी अस्पताल में जानकारी लेने जाओं तो बच्चा समझ कर जानकारी नहीं दी जाती है अगर हम लोगों के लिए नीति बनेगी तो उसका हवाला देकर कह सकते है कि हम जानकारी लेने का हक है चाहे वह सरकारी अस्पताल हो या पंचायत।

कठपुतली-

उज्जवल व प्रज्ञा समूह के बच्चों द्वारा एच0आई0वी0 एड्स पर कठपुतली के माध्यम से नाटक दिखाया गया। नाटक के माध्यम से युवाओं ने बताने का प्रयास किया है कि अगर किसी को एड्स हो जाता है तो उससे बात करने या साथ बैठने से एड्स नहीं फैलता बल्कि इसके बारे में विस्तृत लानकारी लेने हेतु चकिया सरकारी अस्पताल पर एक काउन्सलर का चायन किया गया है जिससे किसी भी बीमारी के बारे में जानकारी ली जा सकती है। नाटक समाप्त होने के बाद युवाओं द्वारा गीत गाया गया–

सुनिला जग के नर नारी एड्स हउवे जान लेवा बीमारी।

कठपुतली नाटक के बाद अन्य संस्थाओं से आए साथी लोगों ने अपने विचार में कहा कि युवा के लिए नीति जिस प्रकार से अन्य राज्यों में बना है उसी प्रकार से उ0प्र0 के युवाओं के लिए भी जरुरी है। अपने भाषण में एवार्ड संस्था के श्री तारकेश्वर मिश्रा ने कहा कि नौगढ़ में युवाओं को प्रजनन स्वास्थ्य व अधिकार के बारे में ग्राम्या संस्थान द्वारा जो जानकारी दी जा रही है वह

सराहनीय है आज के समय में इन युवाओं को जानकारी होनी चाहिए कि उनके अधिकार सिर्फ घर में नहीं बल्कि घर से बाहर पंचायत में भी हैं किसी भी कार्य को करने से पहले आप युवाओं को संगठित होना जरुरी है जब तक संगठित नहीं होगें तब तक हक व अधिकार मिलने वाला नहीं है।

वनक्षेत्राधिकारी नौगढ़ रेंज के रेंजर श्री रब्बानी सिद्धिकी ने अपने भाषण में युवाओं के कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आप लोगों के लिए नीति बननी चाहिए जिससे आप लोग अपनी बात कह सके साथ ही स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारी स्कूलों से ही मिलनी शुरु हो जानी चाहिए जिससे युवा गलत और सही की पहचान कर सके। साथ ही साथ उन्होने युवाओं की पढ़ाई को लेकर चिन्ता जताई अगर अध्यापक स्कूल में नहीं आते हैं तो आप लोग सीधे जिलाधिकारी को फोन करे और अपनी बाते कहे।

बच्चालाल जी ने अपने भाषण में लोगों को बताए कि उ0प्र0 में एक तिहाई आबादी यानि 6 करोड़ युवा है जिनके लिए कोई नीति नहीं है सरकार भी इस पर कोई सुनवाई नहीं कर रही है।

डायनैमिक एक्सन ग्रुप लखनऊ से आए सुजीत घोस जी ने अपने भाषण में सबसे पहले नारा दिए– जय भीम तो युवाओं ने कहां कि बोल भीम नारा के बाद अपने भाषण में सुजीत घोष ने कहां कि अगर नीति बनवानी है तो बाबा सहब के कही हुई बातों पर ध्यान देना होगा बाबा साहब अम्बेडकर जी ने कहा था कि अगर 100 युवा मिल जाए तो मै देश बदल दूगा तो आज आप लोगों को अपना हक और अधिकार लेना है जिसके लिए आप लोग इकठ्ठा हुए है उसके लिए लड़ना होगा तभी नीति बनवा सकते है।

कार्यक्रम का संचालन युवा राजेश व साबिया ने संयुक्त रुप से किया एवं ग्राम्या संस्थान की सचिव सुश्री बिन्दु जी ने सभी लोगों को घन्यवाद दिया।

संगठन–

महिला लीडरों के साथ बैठक–

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिला लीडरों के साथ क्षेत्रिय समस्याओं को लेकर प्रतिमाह ग्राम्या संस्थान के नौगढ़ कार्यालय पर बैठक किया जाता है। बैठक में निम्न मुद्दों पर चर्चा किया जाता है–

- जननी सुरक्षा योजना।
- मातृत्व लाभ योजना।
- ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता समिति का गठन व बैठक।
- ए0एन0एम0 व डाक्टर की लापरवाही।
- म0स्वा0अ0मंच की महिलाओं का पंचायती चुनाव में भागीदारी व रणनीति।
- नेता व सदस्य कैसा हो पर विचार।
- नैनीताल भ्रमण पर चर्चा।

महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच में अब तक कुल 15 गाँव से 925 महिला सदस्य है जिसमें से 50 महिला लीडर की भूमिका में है। जिनके साथ इन सभी मुद्दों पर चर्चा किया जाता है चर्चा से जो निकलकर आता है उस पर गहन विचार करके कदम उठाने का निर्णय महिलाओं द्वारा लिया जाता है।

पंचायती चुनाव में महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाओं की भूमिका किस प्रकार से सुनिश्चित हो इसके लिए 19 से 25 तक ग्राम्या संस्थान से 4 महिला (डंगरी देवी, निर्मला, जमुना देवी व

तेतराबानो) नैनीताल भ्रमण पर गई थी वहां पर इन महिलाओं ने देखा कि उत्तर प्रदेश की पंचायत व्यवस्था से उत्तराखण्ड की पंचायत व्यवस्था में अन्तर है। उत्तराखण्ड में महिला प्रधान हो या पुरुष प्रधान अपनी प्रधानी स्वयं चलाते है साथ ही गाँव में होने वाली कोई भी बैठक में स्वयं भाग लेते है वही अमारे उत्तर प्रदेश में देखा जाए जो किसी भी प्रकार की बैठक को सदस्य तो आते ही नहीं प्रधान की कौन कहे। हमारे उत्तर प्रदेश में माँ प्रधान है तो बेटा या पति प्रधानी का कार्य करते है वही अपने को प्रधान समझते हैं जो गलत है अगर महिला प्रधान आती बैठकों में भाग लेती तो वह महिलाओं के दुख दर्द को समझती और विकास का कार्य करती।

जिला फोरम की बैठक–

ग्राम्या संस्थान के नौगढ़ कार्यालय पर 29 जून को जिला फोरम की बैठक किया गया। बैठक की शुरुआत परिचय से किया गया। बैठक में शामिल सभी प्रतिभागीयों ने अपना–अपना परिचय दिया इसके बाद ग्राम्या संस्थान की बिन्दु जी ने बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाली कि आज के बैठक में निम्न मुद्दों पर चर्चा करेंगें–

- नरेगा
- मातृत्व लाभ योजना
- पंचायत चुनाव में महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की भागीदारी व रणनीति।
- नेता के चुनाव में सावधानी व ध्यान देने वाली बाते।
- पंचायत चुनाव में जागरुकता अभियान।
- सी0एच0सी0 नौगढ़ की स्थिति ।
- स्मार्ट कार्ड पर चर्चा।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बिन्दु जी ने कहा कि जैसा कि आप लोगों को पता होगा कि सितम्बर माह में या अक्टुबर माह के पहले सप्ताह में पंचायत का चुनाव होने वाला है इस चुनाव में महिला स्वासथ्य अधिकार मंच की महिलाए, संगठन के लोग, पंचायत सदस्य व अन्य साथी संस्थाओं की क्या भूमिका होगी इस पर बात किया जाएगा साथ ही नौगढ़ से 4 महिलाए उतराखण्ड के नैनीताल जिले में गई थी इन महिलाओं ने वहा पर क्या देखा, क्या सीखा, और यहा के प्रधान में व वहा के प्रधान में क्या अन्तर पाया इसके बारे में ये महिलाए आप लोगों को बताएगी।
आज के इस बैठक में प्रचायत सदस्य लोग उपस्थित है जिनका हम स्वागत करते है और साथ ही उम्मीद करते है कि आज के इस बैठक के वार्तालाप में वह पूरा सहयोग देगें साथ अपने विचारों को भी हम सबके सामने रखेगें।
पंचायत स्तर पर अगर देखा जाए तो 6 प्रकार की समितियां बनी है

- स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति
- शिक्षा समिति
- प्रशाशनिक समिति
- नियोजन एवं विकास समिति
- जल प्रबन्धन समिति
- निर्माण कार्य समिति

इस बैठक में पंचायत के सदस्यों ने बताया कि हम लोग पंचायत सदस्य तो हैं लेकिन हम लोगों को यह पता नहीं है कि किस समिति में हमें रखा गया है। बैठक कब होती है इसकी जानकारी

नहीं हो पाती है सिर्फ रजिस्टर घर पर आता है या कही मिल जाते है तो प्रधान के लोग हस्ताक्षर करा लेते है।
चर्चा को आगे बढ़ाते हुए महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की तेतरा बानों ने एक सवाल पूछा कि– भइया आप लोग एक बात हम महिलाओं को बताइए कि पंचायत स्तर पर अनटाइड फन्ड आता है जिसके अन्तर्गत 10 हजार आता है जो ए0एन0एम0 व प्रधान के खाता में रहता है वह कब व कहा कैसे खर्च किया जाता है या होता है उसके बारे में हम लोगों को थोड़ा बताइए क्योंकि हम लोगों द्वारा बार–बार पूछने पर आज तक कोई जानकारी नहीं मिली। तेतरा बानों के इस सवाल पर पंचायत सदस्यों के पास कोई जबाब नहीं था उन्होनें कहा कि आप लोगों को तो इतना पता है कि 10 हजार आता है जो ए0एन0एम0 व प्रधान के खाता में रहता है हम पंचायत के सदस्य तो है लेकिन इसके बारे में हम लोगों को कोई जानकारी नहीं हैं
डुमरिया की भगमानी देवी ने कहा कि तब तो आप लोगों को यह भी नहीं पता होगा कि एक राजस्व गाँव पर 10 हजार आता है साथ ही पंचायत स्तर पर एक और समिति बनी है जिसका नाम ग्राम स्वास्थ्य व स्वच्छता समिति है। जिसपर पंचायत सदस्यों ने कहा कि हम लोगों को इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है।
चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बिन्दु जी ने कहा कि पंचायत में प्रत्येक राजस्व गाँव पर 10 हजार आता है वह कहा खर्च होता है इसके बारे में पता करना होगा खोजना होगा तभी योजनाओं को लाभ लोगों को मिल पाएगा लोगों तक पहुच पाएगा। साथ ही पंचायत स्तर पर बनी समितियों पर भी विचार करके सक्रिय करने की जरुरत है।
चर्चा में आगे महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाओं ने नैनीताल के अनुभव को सबके सामने रखी कि वहा पर हम लोग जिस भी गाँव में गई वहा के बैठकों में प्रधान महिला हो या पुरुष आए और भाग लिए वैसे ही सदस्यों ने भी बैठको में भाग लिए हम लोग जो लोग प्रधानी का चुनाव जीते थे उनसे और जो लोग हारे थे उन दोनों लोगों से मिले। हमारे प्रदेश से अच्छा वहा की पंचायत व्यवस्था है अगर अपने प्रदेश को देखे या गाँव को देखे तो कोई भी प्रधान इन बैठकों में नहीं आता है जबकि आना चाहिए उनको भी सुनना चाहिए और अपनी बात सबके सामने रखना चाहिए लोगों के दुख व सुख में भाग लेना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता जिसकी वजह से समुदाय और प्रधान के बीच दूरी बन जाती है।
प्यारी करवनिया से बताई कि मेरी बहन जो देउरा कि रहने वाली है उसकी बेटी को बच्चा होने वाला था मै उसको लेकर अस्पताल पर आई ए0एन0एम0 ने देखा और बोली कि अभी जाओं एक सप्ताह का समय है मै उसको घर लेकर गई उसी रात में उसको तेजी से दर्द होने लगा मै और परिवार के लोग गाड़ी किराए पर करके लेकर सी0एच0सी0 पर आ रहे थे कि बीच रास्ते में ही लड़की पैदा हो गई मै उसी तरह लेकर अस्पताल आई और ए0एन0एम0 का दरवाजा खटखटाने लगी तो ए0एन0एम0 का पति बाहर निकल कर आया मैने कहा कि ए0एन0एम0 दीदी को बुला दीजिए ए0एन0एम0 के पति ने कहां कि रात को चली आती हो पैसा लेने के लिए जाओं दूसरी ए0एन0एम0 को जगाओं और इसके साथ ही साथ गाली गलौज देने लगा हम भी लगातार गुहार लगा रही थी आवाज सुनकर 3–4 ए0एन0एम0 निकली और आई आते ही प्रसव कक्ष का ताला खोलने के लिए जाने लगी तो उसी समय बच्चे के रोने की आवाज आई तो ए0एन0एम0 बोलने लगी कि बच्चा घर से पैदा कराकर लाई हो तो हमने कहां कि नहीं अस्पताल के गेट पर पहुचने वाले थे कि बच्ची पैदा हो गई है आप उसको देख लीजिए और उसका नार बगैरह काट दीजिए जिसपर ए0एन0एम0 ने कहा कि मै तुम्हारे इस केस को हाथ नहीं लगाउगी यहा से लेकर निकल जाओं रास्ते में बच्ची पैदा हो गई तो उसे यहां लाने कि क्या जरुरत थी 1400 रु0 के लालच में लेकर यहां चली आई। अश्लील गाली देते हुए ए0एन0एम0 ने कहा कि तुम अभी और इसी समय इस अस्पताल से चली जाओं। काफी बहस करने के बाद हम अपने परिवार के साथ बेटी को लेकर घर आए और घर पर आकर नार काटा गया।
मै आज इस बैठक में शामिल सभी लोगों के सामने एक सवाल रखना चाहती हूँ कि क्या इसी तरह से अस्पताल के लोगों द्वारा हो रहे गलत व्यवहार को सहना है या कुछ करने की जरुरत है अगर अस्पताल जनता की सुविधा के लिए है खुला है और वह सुविधा नहीं मिल रही है उसके लिए क्या कुछ करने की जरुरत है या हाथ पर हाथ धरे रहना है।
जिसपर बिन्दु जी ने कहा कि सबसे पहले तो आप को उस समय अस्पताल से वापस नहीं आना चाहिए था दूसरी बात कि वहा पर हल्ला मचाना चाहिए था ए0एन0एम0 का पति अगर अश्लील

गालिया दे रहा था तो उसका आपको जबाब देना चाहिए था तथा आपको सी0एम0ओ0 या डी0एम0 के यहा फोन करना चाहिए तब शायद बहुत कुछ हो पाता जिसपर प्यारी ने कहा कि जिस हड़बड़ी में हम लोग अस्पताल पर आए एस समय फोन किसी के पास नहीं था और रात के बारह बज गए थे जिसकी वजह से हम किसी के पास जा नहीं पाए।
इस केस को प्यारी द्वारा लोगों के सामने रखने पर बिन्दु जी द्वारा बैठक में शामिल प्रतिभागियों से पूछी कि आए दिन अस्पताल पर लोगों के साथ गलत व्यवहार किया जा रहा है तो उसके लिए क्या करने की जरुरत है। बैठक में शामिल लोगों ने कहा कि इसके लिए पंचायत से, संगठन से तथा अन्य संस्था के लोग एक साथ चन्दौली जाकर डी0एम0 से मिले और अपनी बात को कहे अगर उससे कुछ नहीं होता है तो आगे चलने की पूरी तैयारी होनी चाहिए और हम लोग चलेगें।
बैठक में शामिल प्रतिभागीयों ने आपस में चर्चा करके तय किया कि 14 जुलाई को एक डेलीगेशन चन्दौली जाकर डी0एम0 से मिलेगें और अस्पताल की समस्या को रखेगें साथ ही बैठक में शामिल सभी प्रतिभागियों ने तय किया कि जितने पंचायत के लोग आज इस बैठक में शामिल है उस पंचायत से एक व्यक्ति चन्दौली जाएगें। चन्दौली जाने वाले प्रतिभागियों के नाम इस प्रकार से हैं–

क्र0स0	नाम	गाँव
1	मोतीलाल	ठटवा (पंचायत सदस्य)
2	रमेश	देउरा (पंचायत सदस्य)
3	विजय कुमार	डुमरियां (एन0जी0ओ0)
4	सीताराम	अमदहां (पंचायत सदस्य)
5	जयप्रकाश	वरुण (एन0जी0ओ0)
6	प्यारी	नर्वदापुर (म0स्वा0अ0म0)
7	रामरती	भगेलपुर (म0स्वा0अ0म0)
8	तेतराबानों	मझगाई (म0स्वा0अ0म0)
9	धीराजी	टमदहां (म0स्वा0अ0म0)
10	भगवानी	डुमरियां (म0स्वा0अ0म0)
11	रम्भा	रीठिया

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए बिन्दु जी ने कहा कि अभी तक जो चर्चा हुआ है उसमें दो तरह की समस्या निकलकर सामने आ रही है–

- सी0एच0सी0 पर हो रहा प्रसव वाली महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार।
- पंचायत चुनाव में भागीदारी।

पंचायत चुनाव में क्या करना है और कैसे करना इस पर विचार करने की जरुरत है कि इस बार के चुनाव में हम किस प्रकार के नेता का चयन करेगे जो हमारे गाँव का विकास करे लोगों के बारे में सोचे। जिसपर महिला स्वास्थ्य अधिकार मंच की महिलाओं सामूहिक रुप से कहां कि इस बार के चुनाव में सदस्य या प्रधानी में कौन खड़ा होगा इसे संगठन के लोग तय करेगें साथ ही लोगों को जागरुक करने हेतु एक अभियान चलाया जाए संस्था द्वारा जिसमें लोगों को बताया जाए कि वह किस प्रकार से बोट मारेगें, कैसे मोड़ेगे साथ कैसा नेता चाहिए उस पर विचार करके वोट मारेगें।
बैठक में शामिल डुमरिया के श्रीराम ने कहां कि हम आज के इस बैठक में आप लोगों को कुछ और भी बताना चाहते हैं मै रीठिया पंचायत से हूँ मेरा घर डुमरियां हैं मेरे पंचायत के प्रधान श्री त्रिभुवन जी है जैसा कि आप लोगों को पता है कि सितम्बर माह में प्रधानी का चुनाव होने वाला है आज मै ब्लाक पर गया था जहा पर मैने देखा कि मेरे प्रधान जी द्वारा अन्य गाँव के 70–80 व्यक्तियों का नाम बोटर लिस्ट में है। जिसकी जानकारी होने पर समुदाय के लोगों द्वारा तहसील दिवस पर आवेदन दिया गया है जिसपर डी0एम0 ने कहा कि आप साक्ष्य दे दीजिए ठीक हो जाएगा हमने साक्ष्य के रुप में गोलाबाद, मझगाई, मरवटिया पंचायत की लिस्ट निकाल लिया है उस पर निशान लगाकर आवेदन के साथ डी0एम0 को दिया जाएगा। इस प्रकार से अन्य पंचायतों में भी वोटर लिस्ट में धाधली है जिसको देखने की जरुरत है। श्रीराम की बातों का समर्थन करते हुए अन्य पंचायत के लोगों ने तय किया कि हम भी अपने गाँव के वोटर लिस्ट की जांच करके

उसको सही कराएगें। साथ ही साथ लोगों ने तय किया कि जहा पर वोटर लिस्ट में लड़कियों का नातम नहीं है वहा पर उनके नाम को सम्मिलत करवाया जाएगा।

स्वयं सहायता समूह-

महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने हेतु 20 समूह नौगढ़ में तथा 6 समूह का गठन चकिया में किया गया जिससे महिलाएं अपने जरुरत के खर्चो को स्वयं उठाए उनको किसी के सामने हाथ नहीं फैलाना पड़े। प्रत्येक समूह में 12 से 15 महिलएं सदस्य के रुप में हैं ।

प्रत्येक माह में स्वयं सहायता समूह के साथ गाँव स्तर पर बैठक किया जाता है। बैठक में समूह की महिलाओं को समूह सुचारु रुप से चले इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जाती है साथ ही सरकार द्वारा संचालित अन्य योजनाओं के बारे में भी बताया जाता है।

गाँव में बैठक-

मजदूर किसान मोर्चा के सदस्यों के साथ ग्राम्या संस्थान के नौगढ़ कार्यालय बैठक किया गया जिसमें नेतृत्वकारी मजदूर किसान मोर्चा के सदस्य उपस्थित हुए बैठक में नरेगा के अनर्तगत बकाया मजदूरी, समय से मजदूरी भुगतान न होना पर चर्चा किया गया। साथ ही बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सितम्बर माह में पंचायती चुनाव होने वाला है उसमें मजदूर किसान मोर्चा के सदस्यों की क्या भूमिका होगी और क्या करेगें जिसपर बैठक में शामिल लोगों ने तय किया कि इस साल के चुनाव में लोगों को बैठक करके जागरुक करने के साथ ही वोट देते समय किस बात पर ध्यान देने की जरुरत है उसके बारे में बताया जाएगा।

वनाधिकार अधिनियम 2006-

वनाधिकार अधिनियम 2006 के अन्तर्गत निर्मित वनाधिकार समिति व अन्य लोगों के साथ बैठक करके दावा फार्म समिति के पास जमा हुए जिसमें भौतिक सत्यापन हुआ लेकिन मौके पर वनविभाग अनुपस्थित रहा तथा दावा फार्म पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिसके परिणाम स्वरुप रिठिया पंचायत में बनी वनाधिकार समिति के सदस्यों ने जिलाधिकारी से शिकायत किए लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गयी। इसी प्रकार से अन्य पंचायतों में भी वन विभाग द्वारा मौके पर जाकर सत्यापन नहीं किया जा रहा है वन विभाग द्वारा वनाधिकार समिति पर यह दबाव बनाया जा रहा हैं कि दावे कि फाइले रेंज आफिस पर जमा करें हम वहां बैठकर सत्यापन करेंगे जिससे यह स्पस्ट होता है कि वनविभाग अपनी मनमानी करना चाह रहा है जिसपर वनाधिकार समिति के सदस्य लगातार विरोध कर रहे है।

गाँव स्तर पर बैठक करके लोगों को बताया गया कि जिनके पास कोई कागज नहीं है वह 75 साल के बुजुर्ग से हलफनामा समिति के सामने लिखवाए तो एक्ट अनुसार कब्जा मजबूत माना जा सकता है तथा उसी बात पर यह फार्म नोडल के पास जमा हो जाएगा। प्रति दावेदार का नाम रजिस्टर पर अंकित किया जाए जिससे उस रजिस्टर के द्वारा कोर्ट में जनहित याचिका दायर करने में मदद मिलेगी साथ ही लड़ाई लड़ने के लिए समिति के पास एक मजबूत आधार होगा।

ग्रामीण स्तर पर समिति की बैठक चल रही है लोगों को संगठित करने का प्रयास किया जा रहा है। जमीन के मुद्दे पर लोग इकठ्ठा भी हो रहे है तथा काबिज जमीन में घर, झोपड़ी डालने का कार्य कर रहे हैं।

वनाधिकार समिति के पास ऐसे भी दावा फार्म जमा हुए है जो भौतिक सत्यापन के समय कही भी दावेदार के द्वारा कब्जा नहीं किया गया है ऐसे दावेदार का फार्म समिति द्वारा निरस्त करने की सलाह दी जा रही है।

उधर वन विभाग का कहना है कि 1978 के पहले का साक्ष्य को ठोस सबूत मानकर दावा फार्म जमा किया जाएगा जिनके पास इस प्रकार का सबूत नहीं है उनके फार्म नहीं जमा किए जाएगें। जबकि कानून में यह है कि वनाधिकार अधिनियम 2006 में 13 दिसम्बर 2005 के पूर्व का कब्जा की बात की गई है चाहे अनुसूचित जनजाति हो या अन्य परम्परागत वन निवासी हो लेकिन प्रशासन के लोग उस बात को न मानकर 75 वर्ष का कब्जा की बात कर रहे है। वन विभाग के इस रवैया पर समुदाय के लोगों ने संकल्प किया है कि हम संघर्ष करेगें लेकिन अपनी जमीन को नहीं छोड़ेगें।

पुस्तकालय

- संचालन प्रकिया
- संचालन समय
- पाठकों की संख्या
- अधिक प्रशंसनीय पुस्तकें
- प्रभाव
- व्यवहारिक असुविधा
- सूझाव

संचालन प्रकिया–

आशा बाल पुस्तकालय से आई पुस्तकों को बाक्स में हिन्दी स्वर व्यंजन के आधार पर रखा गया है। पाठकों की सुविधा हेतु पुस्तकालय केन्द्रों पर पुस्तकों की सूची चस्पा कर दी गई है जिससे पाठक आसानी से अपने पसन्द की पुस्तक खोज पाते है। पाठक जो पुस्तक मांगते है उनको वही पुस्तकें दी जाती है किसी भी पाठक को दो पुस्तकों से ज्यादा पुस्तक नहीं दी जाती है तथा तीन दिन से ज्यादा समय के लिए नहीं दी जाती है। पुस्तके जिस क्रम से निकालकर दी जाती है जमा करने पर पुनः उसी क्रम में रखी जाती है जो पुस्तके दी जाती है एसे वितरण रजिस्टर पर दर्ज किया जाता है।

संचालन समय–

- अमदहा 4.30 से 5.30 बजे तक
- झुमरिया 3.30 से 4.30 बजे तक
- डुमरिया 4.00 से 5.00 बजे तक
- लालतापुर 3.30 से 4.30 बजे तक
- मुड़हुआं 4.00 से 5.00 बजे तक

प्रभाव–

पुस्तकालय की पुस्तकों को पढ़ने से पाठकों का ज्ञानवर्धन व जानकारी हुई साथ ही बच्चों में सामाजिक, नैतिक एवं सामान्य ज्ञान की जानकारी बढ़ी। गाँव के लोगों ने भी किताबों को पढ़ा जिसमें शिक्षाप्रद कहानियों को पढ़ें जिससे अच्छी जानकारी मिली तथा सकारात्मक सोच का विकास हुआ।

प्रसंसनीय पुस्तकें–

इस त्रैयमास में निम्न पुस्तकें अधिक प्रसंशनीय रही है–

- नैतिक शिक्षा
- माँ का दूध
- मेहनती चीटी
- रामायण
- महाभारत
- लाल फूल
- गोरा बादल
- शेर चढ़ा पालकी
- सियार पंडित
- प्रहलाद
- झलकारी आदि

पाठकों की संख्या–

इस त्रैयमास में पाठकों की संख्या कम थी–

- लालतापुर 80
- अमदहां 40
- डुमरिया 118
- झुमरिया 64
- मुड़हुआ 30

सुझाव–

- पुस्तकों की सुरक्षा की दृष्टि से बाक्स के जगह पर आलमारी की व्यवस्था की जाए।
- पुस्तकालय में कुछ नई पुस्तकें बढ़ाई जाए।
- पुस्तकालय केन्द्र पर कुछ पत्रिका की व्यवस्था हो।
- पुस्तकालय को लोगों के लिए एक सूचना केन्द्र बनाने के उद्देश्य से केन्द्र पर कुछ पोस्टर, पर्चे तथा नियम कानून की किताबों की व्यवस्था जरुरी है।

00000000